No. of Printed Pages : 8

MEC–106

MASTER OF ARTS

(ECONOMICS)

(MEC)

Term-End Examination

December, 2024

MEC-106 : PUBLIC ECONOMICS

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt questions from each Section as per instructions given.*

Section—A

Note : Attempt any *two* questions from this Section in about **700** words each. 2×20=40

1. "Public Economics has considerable overlaps with welfare economics and is often termed as applied welfare economics." Discuss.

2. Explain the meaning and types of externalities. How can the government control the possible consequences of negative externalities ?

3. State the main problems in international policy coordination. Explain the basic mechanism of policy coordination using Fleming-Mundell two-country coordination.

4. What are the sources of external public debt ? Explain the important principles of debt management.

Section—B

Note : Attempt any *five* questions from this Section in about **400** words each. 5×12=60

5. Explain Rawls' theory of justice. Compare it with Nozick's theory of distribution.

6. What do you understand by Horizontal and Vertical Equity ? Illustrate their importance in taxation field.

7. What are the symptoms of market failure ? Give suggestions to control it.

8. Write notes on the following :

   (a) Logrolling

   (b) Progressive Taxation

9. Examine the role of fiscal policy to attain economic growth and stability.

10. Differentiate between public and merit goods. Explain how Lindale's principle as applied to public goods.

11. What is spillover effect ? In what ways it can be experienced by a country ?

12. Explain the following :

    (a) Peak load pricing

    (b) Dead weight loss of a tax

MEC–106

कला निष्णात (अर्थशास्त्र) (एम. ई. सी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.ई.सी.-106 : लोकार्थ अर्थशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रत्येक भाग से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

भाग–क

नोट : इस भाग से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

शब्द-सीमा **700** शब्द प्रत्येक। 2×20=40

1. "लोकार्थ अर्थशास्त्र का क्षेम अर्थशास्त्र से काफी प्रतिच्छादन है और प्रायः इसे व्यावहारिक क्षेम अर्थशास्त्र कह दिया जाता है।" चर्चा कीजिए।

2. बाह्यताओं का अर्थ और प्रकार बताइए। सरकार ऋणात्मक बाह्यताओं के संभव परिणामों को कैसे नियंत्रित कर सकती है ?

3. अंतर्राष्ट्रीय नीति समन्वयन की मुख्य समस्याएँ बताइए। फ्लेमिंग-मुण्डेल के द्वि-राष्ट्र समन्वयन का प्रयोग कर नीति समन्वयन की आधारिक प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए।

4. बाह्य सार्वजनिक ऋण के स्रोत क्या हैं ? ऋण प्रबंधन के महत्त्वपूर्ण सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए।

भाग—ख

नोट : इस भाग से किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। शब्द-सीमा **400** शब्द प्रत्येक। $5 \times 12 = 60$

5. राल्स के न्याय के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए। इसकी नॉज़िक के वितरण के सिद्धान्त से तुलना भी कीजिए।

6. क्षैतिज एवं ऊर्ध्वमुखी समता से आप क्या समझते हैं ? कराधान के क्षेत्र में उनके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

7. बाजार की विफलता के क्या लक्षण होते हैं ? इस पर नियंत्रण के लिए सुझाव दीजिए।

8. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) अवरोध मिटाना

   (ख) प्रगतिशील कराधान

9. आर्थिक संवृद्धि और स्थिरता की प्राप्ति में राजकोषीय नीति की भूमिका की समीक्षा कीजिए।

10. लोकार्थ पदार्थों एवं विशेष गुण पदार्थों में भेद कीजिए। लिण्डेल का सिद्धान्त लोकार्थ पदार्थों पर किस प्रकार लागू किया जाता है, समझाइए।

11. प्रतिच्छालन प्रभाव क्या होता है ? कोई देश इसे किस प्रकार अनुभव कर सकता है ?

12. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

(क) व्यस्ततम काल कीमत निर्धारण

(ख) एक कर की नितान्त हानि

× × × × × × ×